

BHARAT JANATA AHAM

SUBJECT : SANSKRIT

CHAPTER NO 7

CHAPTER NAME: BHARAT JANATA AHAM

PPT 3



CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: **1800 120 2316**

Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

सप्तमः पाठः

K.Sharma



भारतजनताऽहम्

Expected Learning Outcome

उत्सवप्रिया: भारतीया:, श्रमप्रिया:

आढु यतु वलडु दरुदुतु वल दुःखुत सुखुतुऱडुडुवल ।
नुदुऱुषशुतु सदुऱुषशुतु वुतुसुतुः डुडुडु गतुतुः ॥

sanskritschool.in

कलहे धनुतु हुु यल नुदुऱुन, दुःखुतु हुु यल सुखुतु, नुदुऱुष हुु
यल सदुऱुष - डुतुतुतु हुु डनुषुतु कल सडुसे डडुडु सहलरल हुुतुल
हल।



मैत्री मे सहजा प्रकृतिरस्ति, नो दुर्बलतायाः पर्यायः।
मित्रस्य चक्षुषा संसारं, पश्यन्ती भारतजनताऽहम्।6।

अन्वयः-

मैत्री मे सहजा प्रकृतिरस्ति, दुर्बलतायाः पर्यायः नो, मित्रस्य चक्षुषा
संसारं पश्यन्ती अहं भारतजनता (अस्मि)।

शब्दार्थः

मैत्री- मित्रता

मे(मम)- मेरा

प्रकृति- स्वभाव

नो- नहीं

दुर्बलतायाः-दुर्बलता / कमजोरी का

चक्षुषा- आँख से

पश्यन्ती- देखती हुई

विश्वस्मिन् जगति गताहमस्मि, विश्वस्मिन् जगति सदा दृश्ये।
विश्वस्मिन् जगति करोमि कर्म, कर्मण्या भारतजनताऽहम्।७।

अन्वयः-

अहं विश्वस्मिन् जगति गता अस्मि, (अहं) विश्वस्मिन् जगति सदा
दृश्ये, अहं कर्मण्या भारतजनता विश्वस्मिन् जगति कर्म करोमि।

शब्दार्थाः

विश्वस्मिन् - (सारे) संसार में

जगति - संसार में

गताहमस्मि (गता + अहम् + अस्मि)

गता - गई हुई दृश्ये एजदेखी जाती हूँ

करोमि - करता, करती हूँ

कर्मण्या - कर्मशील

सन्धिः

उत्सवाप्रियाअहं, प्रकृतिरस्ति, वधैअतिथिदेवा, गताहमस्मि, विश्वस्मिन, लोकक्रीडासकता

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

CHANGING YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: **1800 120 2316**
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024